सूचना प्राप्त होगी, उसे सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

(ग) चौथे पंचवर्षीय आयोजन में राज्य आयोजन की योजनाओं के लिए राज्य सरकारों को सहायता एक मुश्त अनुदानों और ऋणों के रूप में दी जाती है।

Vasectomy and Loop fixing cases in Bahraich (U. P.)

104. SHRI B. R. SHUKLA : Will the SWASTHYA AUR PARIVAR NIYOJAN MANTRI be pleased to state :

(a) the number of males and females who underwent vasectomy and loop-fixing in the Bahraich District (UP) during the last two years and how many of them were landless; and

(b) how many persons in the Bahraich District (UP) were persuaded to undergo vasectomy operation on the promise that they would get agricultural land settled in their names but the promise was not implemented ?

SWASTHYA AUR PARIVAR NIYOJAN MANTRALAYA MEN RAJYA MANTRI (SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a) and (b). The number of persons who underwent sterilisation and women who got loops inserted during 1969-70 and 1970-71 is as follows :—

Year	Vasectomy	Tubectomy	I. U. C. D.
1969-70	748	34	1,080
1970-71 (Feb' 71)	821	92	1,487

Information regarding the number of landless persons and part (b) of the question has been called for from the State Government and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

विदेशों द्वारा प्रकाशित मानचित्रों में जम्मू तथा काश्मीर सीमा का गलत सीमांकन

105. **श्री जगन्नाथ मिश्र** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अमेरिका जैसे देशों ने जम्मू तथा काश्मीर को पाकिस्तान का एक भाग दिखाया है तथा फिलिप्स एटलस में भी हमारी सीमाओं को गलत दिखाया गया है;

(ख) यदि हाँ, तो इसके विरोध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है;

(ग) इस बारे में उन देशों की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) उन देशों द्वारा भारत के प्रति ऐसे रवैया अपनाये जाने के क्या कारण है; और

(ङ) ऐसी बातों को स्थाई रूप से रोकने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

विदेश मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) इस समय अमरीका में प्रकाशित नक्शों और एटलसों में आमतौर पर जम्मू तथा काश्मीर मे युद्ध-विराम रेखा को, इस क्षेत्र में भारत पाकिस्तान के बीच विभाजन रेखा के रूप मे (अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा के रूप में नही) दिखाया जाता है। जार्जफलिप एण्ड सन, लंदन द्वारा प्रकाशित एटलसों में हमारी सीमा रेखाएं गलत दिखाई गई है।

(ख) से (ङ). हमारी सीमाएं गलत दिखाने वाले नक्शो और एटलसों के प्रवेश पर रोक है या गलत स्थलों पर काली स्याही पोत कर अनुमति दी जाती है। नक्शों को ठीक करने के लिए संबंधित सरकार या प्रकाशकों से इस विषय पर बातचीत भी चल रही हैं।

दानापुर छावनी बोर्ड द्वारा करों का पुर्नानिर्धारण

106. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दानापुर छावनी बोर्ड ने छावनी